समुद्री जीव

मिलिसेंट ई. सेल्सम

चित्र: जॉन हैम्बर्गर

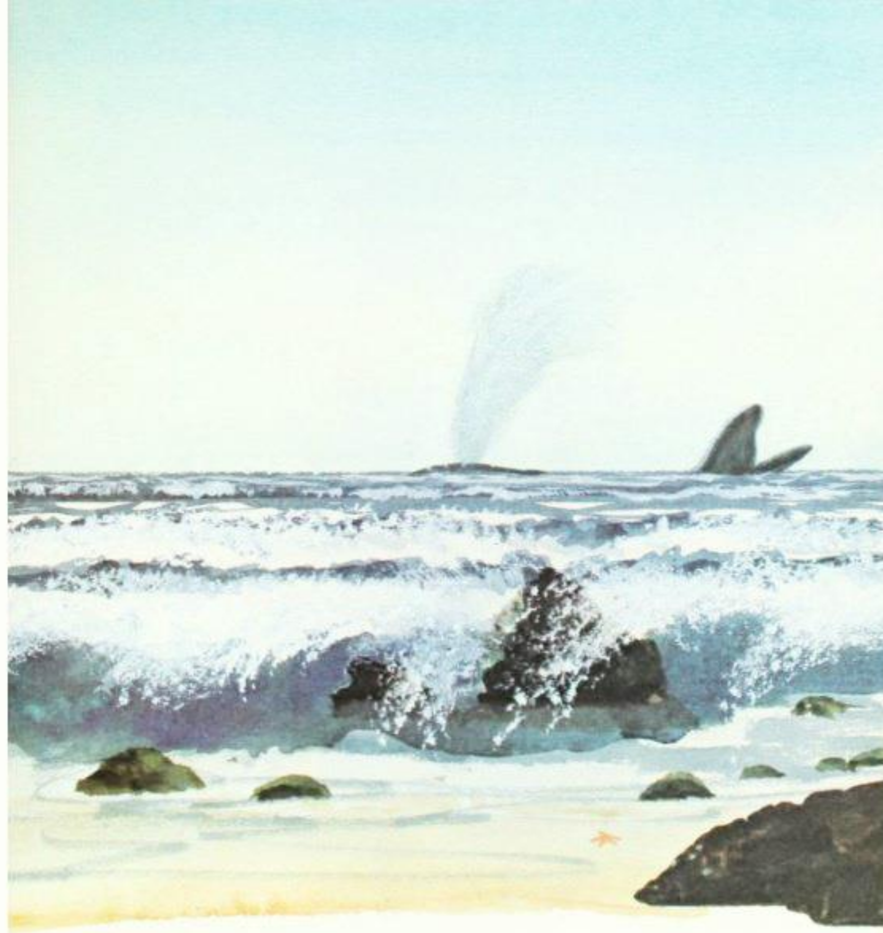

समुद्र में हजारों जीव रहते हैं.

कुछ किनारे से बहुत दूर रहते हैं जहाँ पानी गहरा होता है.

कई किनारे के पास के पानी में ही रहते हैं.

तूफान की लहरें कुछ जीवित जीवों को समुद्र तट पर लाती हैं.

कभी-कभी समुद्री जीवों के सिर्फ खाली खोल ही तट पर आते हैं.

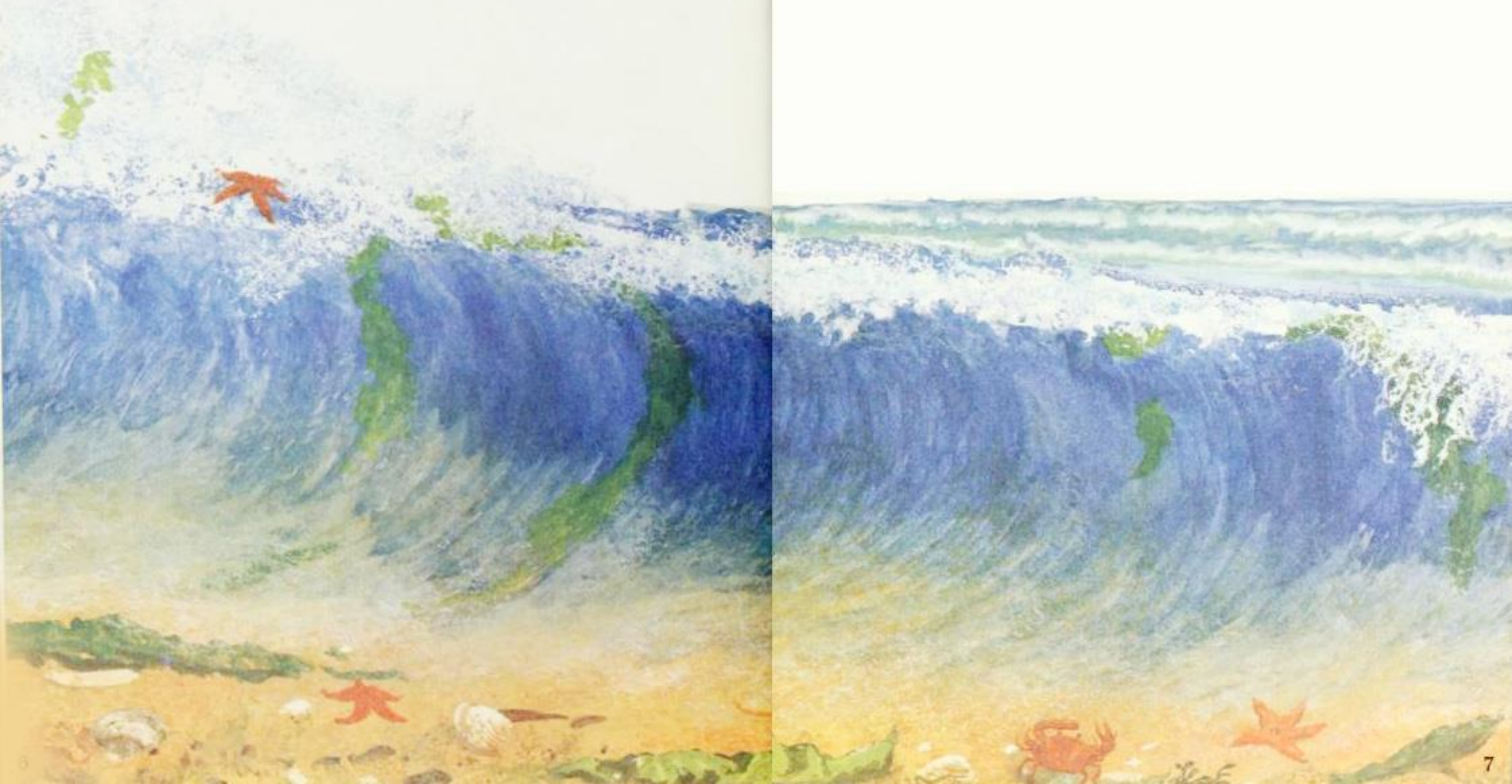

यह एक तारा मछली यानि स्टारफिश है.

इसकी पाँच भुजाएँ हैं और काँटेदार त्वचा है.

यदि आप इसे पलटेंगे तो आप इसके कई टियूब को चलते हुए देख सकेंगे.

उन्हें "ट्यूब फीट" कहते है.

वे स्टारफिश को, समुद्र के तल पर चलने में मदद करते हैं.

वे उसकी सीपियों को खोलने में भी मदद करते हैं.

यह एक चाँद घोंघा (मून-स्नेल) है.

इसका खोल, चंद्रमा की तरह गोल होता है.

चाँद घोंघे की जीभ एक रेती (फाइल) की तरह खुरदुरी होती है.

उसकी जीभ सीपियों के खोल में गोल छेद बनाती है.

फिर वो सीपी के अंदर के रसीले हिस्सों को चूसता है.

इस सीपी के खोल में चांद घोंघे ने एक छेद किया है.

जब कोई सीप जीवित होता है, तो वो अपने खोल से समुद्र का पानी अंदर-बाहर लेता है.

समुद्र के पानी में छोटे-छोटे पौधे और जंतु पाए जाते हैं जिन्हें प्लैंकटन कहते हैं.

सीप, उन प्लैंकटन को खाता है.

कई प्रकार के सीप होते हैं.

कुछ लंबे और संकरे होते हैं.

कुछ चौड़े और मोटे होते हैं.

कुछ चिकने होते हैं.

कुछ में उभरी लकीरें होती हैं.

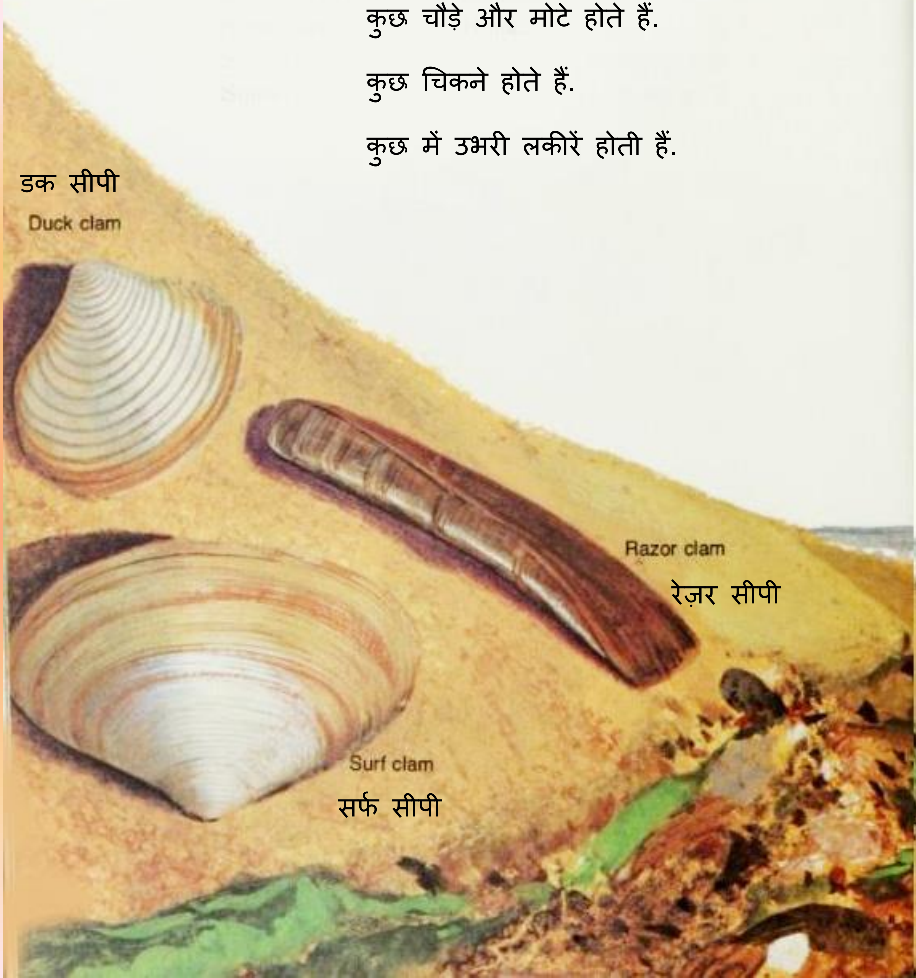

मसल्स (एक प्रकार की सीपी) किनारे के पास की चट्टानों पर रहते हैं.

इनके खोल गहरे नीले रंग के होते हैं.

सीपी की तरह, वे अपने खोल के अंदर पानी लेते हैं और पानी के प्लैंकटन खाते हैं.

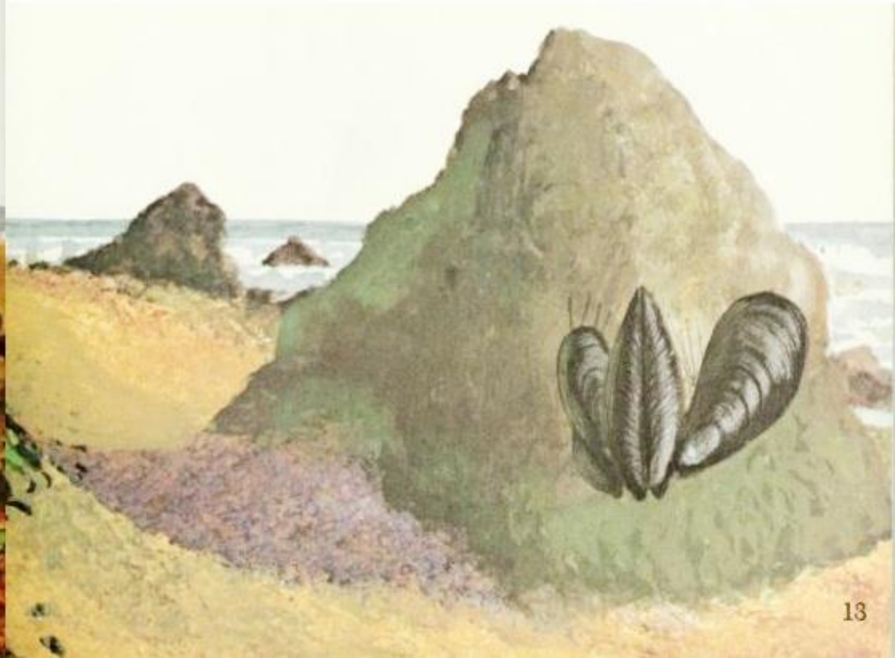

स्कैलप्स उथले पानी में रहते हैं.

जब वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं तो वे अपने दोनों खोलों से आपस में ताली बजाते हैं.

जब किसी स्कैलप का खोल खुलता है, तो आप उसके अंदर कुछ खास देख सकते हैं.

हरेक स्कैलप में सुंदर नीली आँखों की दो पंक्तियाँ होती हैं!

क्या कभी किसी केकड़े ने पानी में आपका पैर को काटा है?

किनारे के पास कई तरह के केकड़े रहते हैं.

कुछ के पैर नीले होते हैं. वे खाने में अच्छे होते हैं.

कुछ के खोल पर पोल्का डॉट्स जैसी बिंदियां होती हैं.

कुछ मकड़ियों की तरह दिखते हैं.

ये मकड़ी के केकड़े अपनी पीठ पर समुद्री शैवाल के टुकड़े उगाते हैं.

उससे उन्हें अपने दुश्मनों से छिपने में मदद मिलती है.

हॉर्स-शू केकड़े एक खोल द्वारा संरक्षित होते हैं जो देखने में कांटे से जुड़ा एक हेलमेट दिखता है.

वो रेत में चलते समय अपना निशान छोड़ता है और समुद्र तल पर घूमता है.

हर्मिट केकड़े के पास खुद को बचाने का एक तरीका होता है. वो अपने नरम पिछले सिरे को घोंघे के खोल से चिपका देता है और उस तरह चारों ओर घूमता है.

किसी चट्टानी तट पर आपको समुद्री एनीमोन मिल सकते हैं.

जब ज्वार-भाटा आता है, तो वे रबर की छोटी थैलियों की तरह दिखते हैं.

जब पानी उन्हें धोता है तो वे फूलों की तरह खुल जाते हैं.

लेकिन उनकी "पंखुड़ी" डंक मार सकती है.

वे उनके करीब आई मछली को डंक मारते हैं.

फिर समुद्री एनीमोन मछली को निगल जाते हैं.

जेलीफ़िश भी डंक मार सकती है.

उनके पास लंबे धागे जैसे तंतु होते हैं जो एक घंटी के आकार में, नीचे लटकते हैं.

तंतुओं का वो जाल कीड़े और छोटी मछलियों को डंक मारता है और उन्हें जेलिफ़िश के मुँह में ले जाता है.

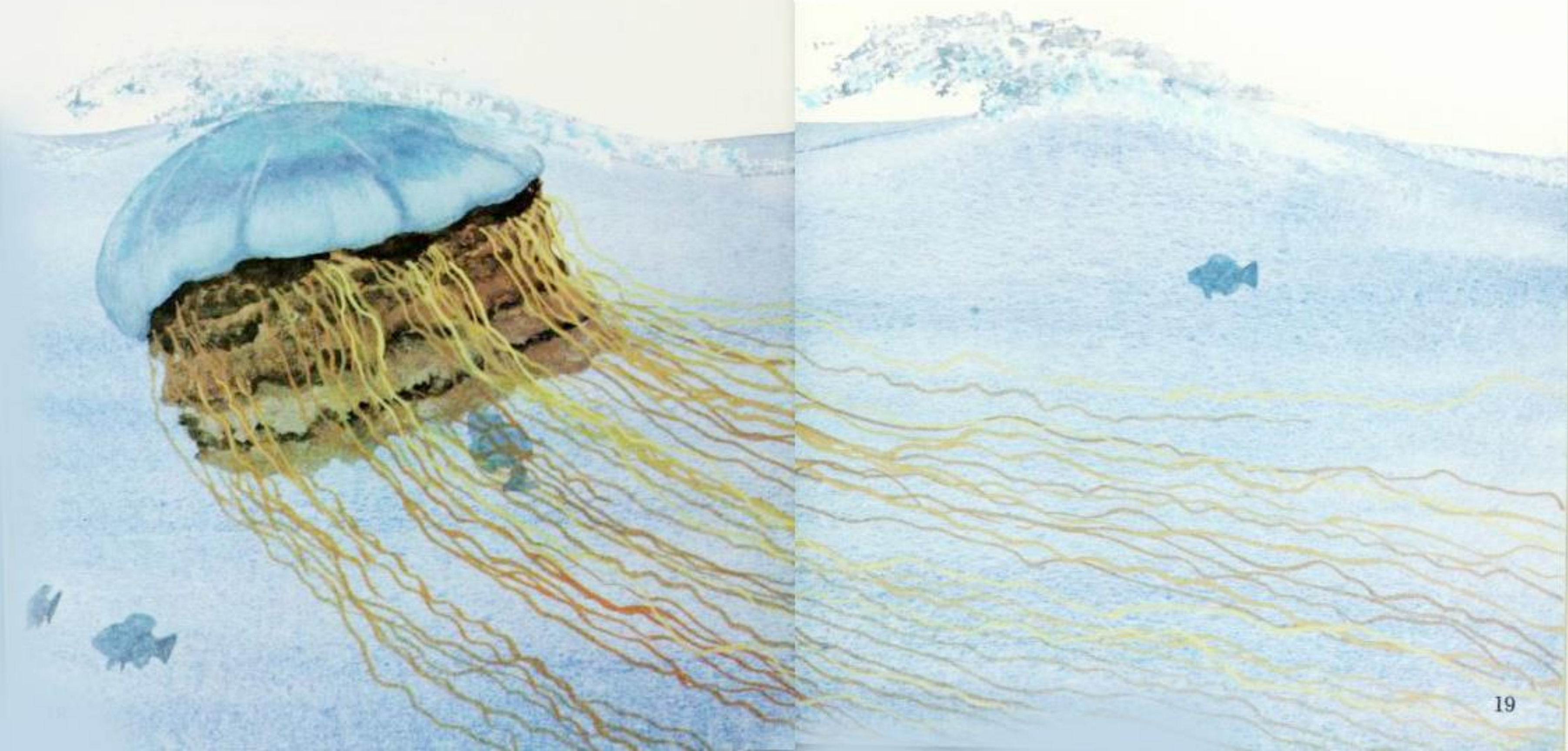

कभी-कभी समुद्र की लहरें स्क्वीड के अंडों को तट पर लाकर फेंकती हैं.

उनके अंडे जेली "उंगलियों" के अंदर होते हैं. जब आप उस जेली को रोशनी के सामने पकड़ते हैं तो आप उसके अंदर के अंडे देख सकते हैं.

यह वो स्क्वीड है जो अंडे देती है.

उसे “समुद्री तीर” कहते हैं क्योंकि वो बहुत तेज चलती है.

यह आमतौर पर सामने के छोर से पानी के एक जेट को शूट करके फिर पीछे की ओर बढ़ती है.

स्क्वीड अपनी दस लंबी भुजाओं में छोटी मछलियों, झींगा और केकड़ों को पकड़ती है. स्क्विड कई आकारों में आती हैं.

कुछ छोटी पेंसिल जितनी छोटी होती हैं. लेकिन कुछ बहुत बड़ी होती हैं. विशाल गहरे समुद्र में रहने वाली स्क्विड एक बस से ज़्यादा लम्बी हो सकती है.

ऑक्टोपस के हाथ स्क्विड की तरह होते हैं लेकिन उनके दस के बजाय सिर्फ आठ ही हाथ होते हैं.

वो तट के पास चट्टानों में छिप जाते हैं.

जब कोई केकड़ा पास से गुजरता है, तो ऑक्टोपस अपना हाथ निकालता है.

फिर हाथ केकड़े को उसके जबड़ों तक ले जाता है.

ऑक्टोपस पानी में भूत की तरह धीरे-धीरे लहरा सकते हैं.

वे भी स्क्विड की तरह ही जेट स्ट्रीम को पानी में शूट करते हैं.

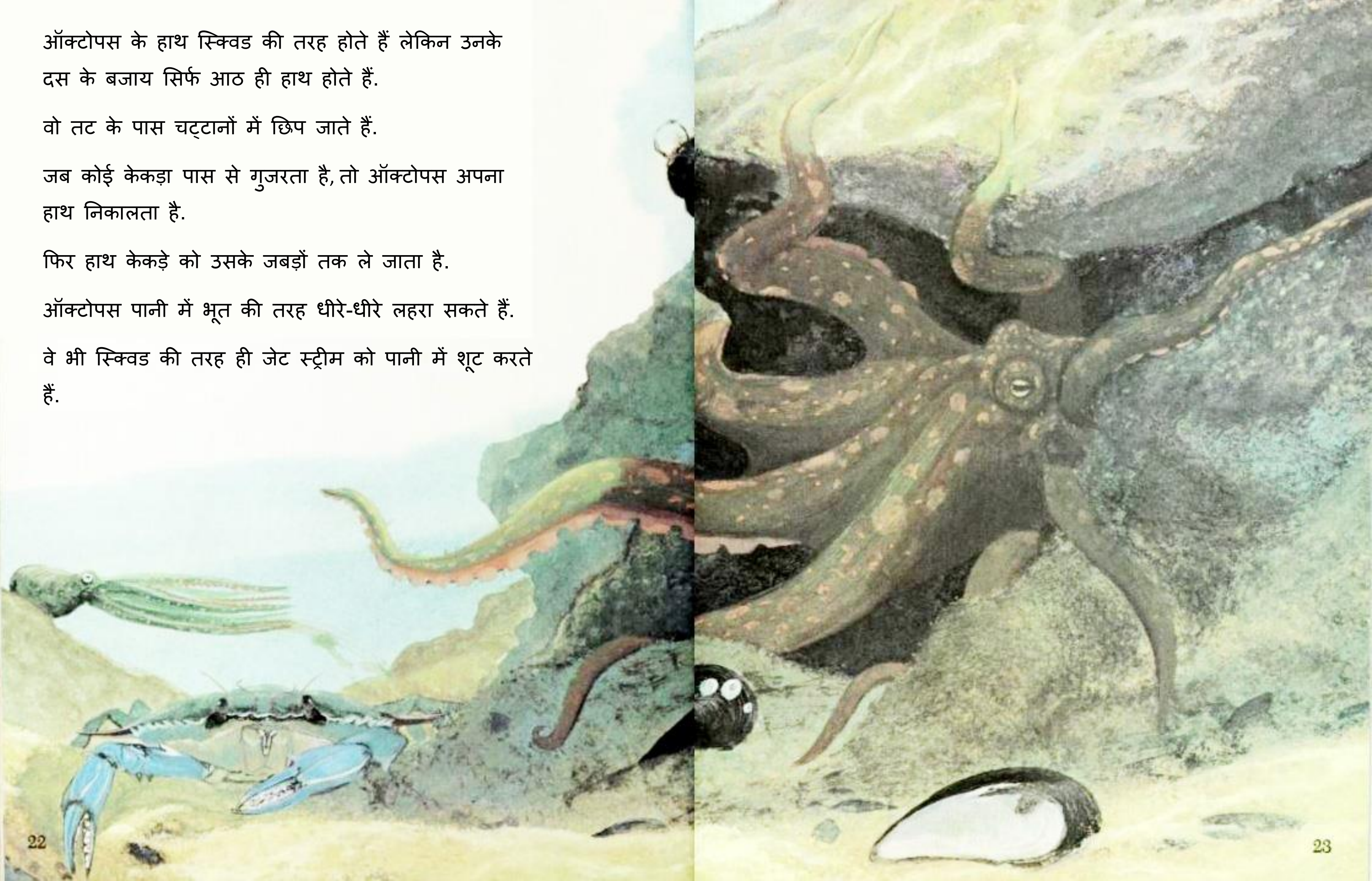

कभी-कभी एक समुद्री घोड़ा (सी-हॉर्स) समुद्र तट पर लहरों द्वारा फेंका जाता है.

वो केवल कुछ इंच ही लंबा होता है.

उसका चेहरा आपको घोड़े की याद दिलाएगा.

लेकिन सी-हॉर्स असल में एक मछली है.

वो अपने सिर को सीधा करके तैरता है. अक्सर वो आराम करता है.

उसकी पूंछ उथले पानी में समुद्री शैवाल के चारों ओर घूमकर उसे पकड़ती है.

सी-हॉर्स, समुद्र में हजारों विभिन्न प्रकार की पाई जाने मछलियों में से एक है.

आगे गहरे पानी में कई हेरिंग मछलियां एक "स्कूल" में एक-साथ तैर रही हैं.

वे मुंह खोलकर पानी के ऊपर तैरती हैं.

वे प्लैंकटन निगल रही हैं - हजारों छोटे पौधे और जानवर जो पानी के ऊपर तैरते हैं.

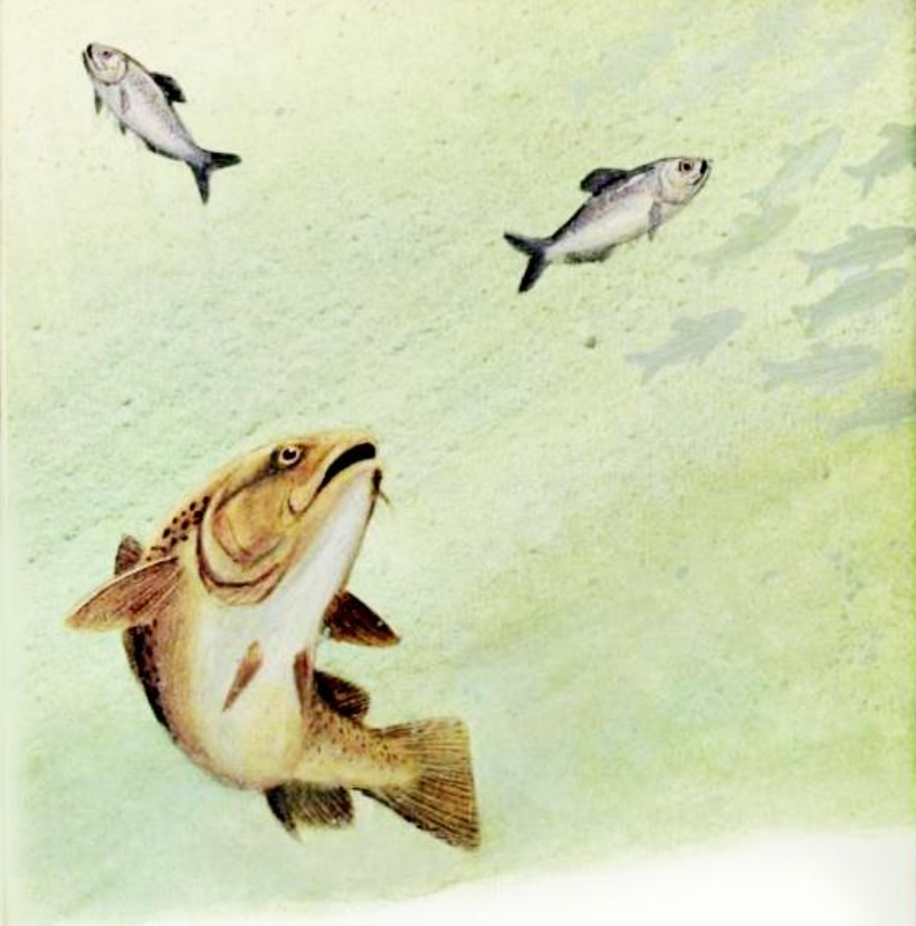

कॉडफिश, हेरिंग का पीछा कर रही हैं.

वे बहुत तेज तैरती हैं.

वे अपने नुकीले दांतों से हेरिंग को पकड़ लेती हैं.

लेकिन कुछ बड़ी मछलियां कॉडफिश का पीछा कर रही हैं.

वे टूना हैं.

वे अपने नुकीले दांतों में कॉडफिश को पकड़ती हैं.

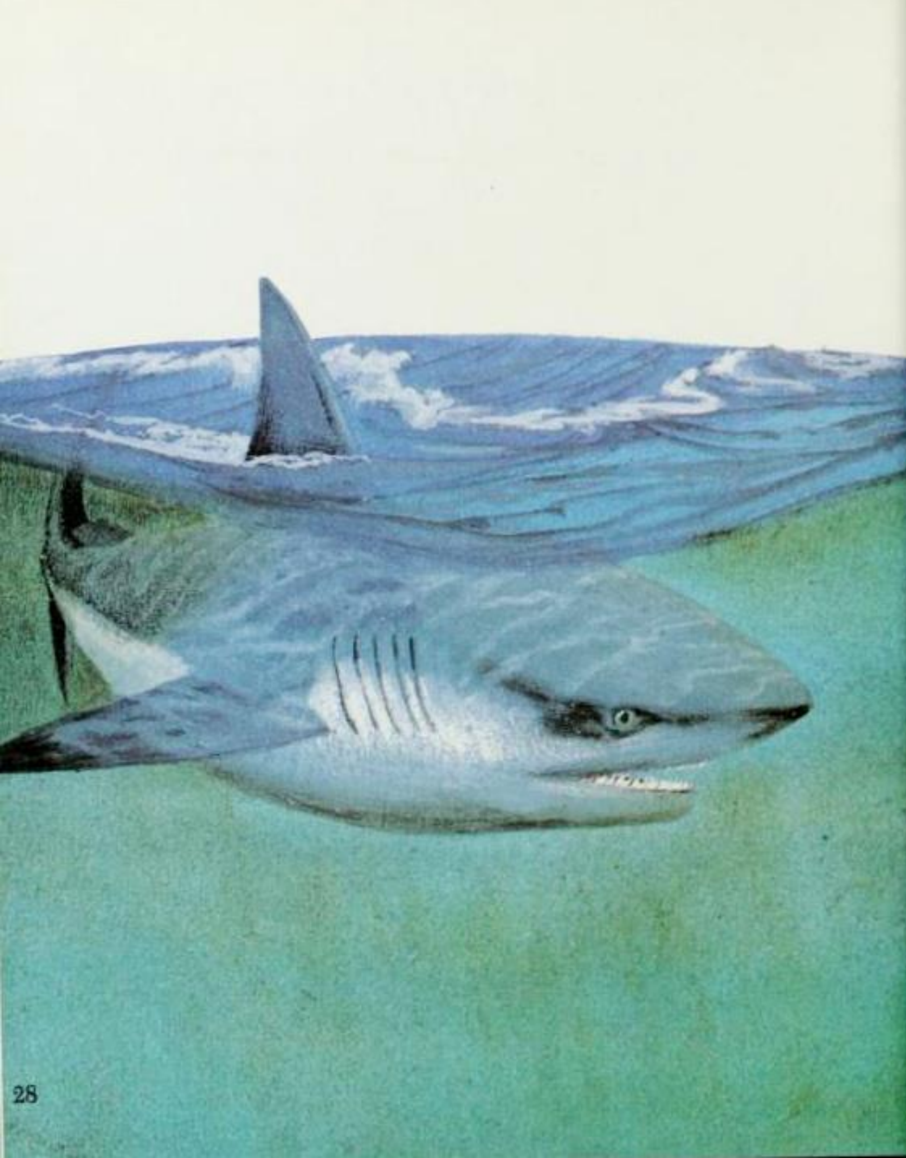

एक और उनसे भी बड़ी मछली है - महान सफेद शार्क.

वो टूना को पकड़कर उसे खा सकती है.

ग्रेट व्हाइट शार्क का आकार किसी टारपीडो जैसा होता है.

वो बहुत तेज गति से चल सकती है.

उसका मुंह सुइयों की तरह तेज दांतों से भरा होता है.

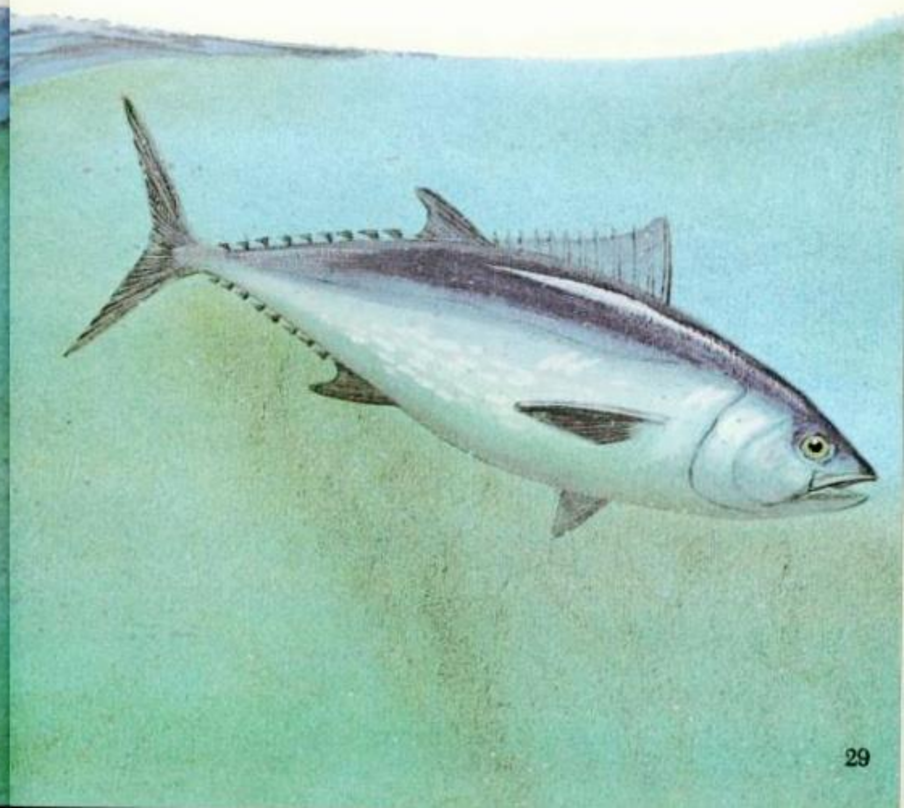

शार्क, टूना को खाती है. टूना, कॉडफिश को खाती है. कॉडफिश, हेरिंग को खाती है जो पानी के ऊपर तैरने वाला प्लैंकटन खाती हैं.

लेकिन समुद्र की सबसे बड़ी मछली, दूसरी मछलियों को नहीं खाती है. वो व्हेल शार्क है.

हेरिंग की तरह, वो भी पानी में तैरता प्लैंकटन ही खाती है.

व्हेल शार्क समुद्र की सबसे बड़ी मछली है.

लेकिन वो समुद्र का सबसे बड़ा जीव नहीं है.

समुद्र के असली दानव व्हेल होते हैं.

व्हेल मछली नहीं हैं.

ज्यादातर मछलियां अंडे देती हैं.

लेकिन एक व्हेल का बच्चा अपनी मां के अंदर ही पलता है.

जन्म के बाद वो अपनी मां का दूध पीता है.

इस वजह से उसे स्तनपायी कहा जाता है.

कई व्हेल, स्क्विड और अन्य मछलियां खाती हैं.

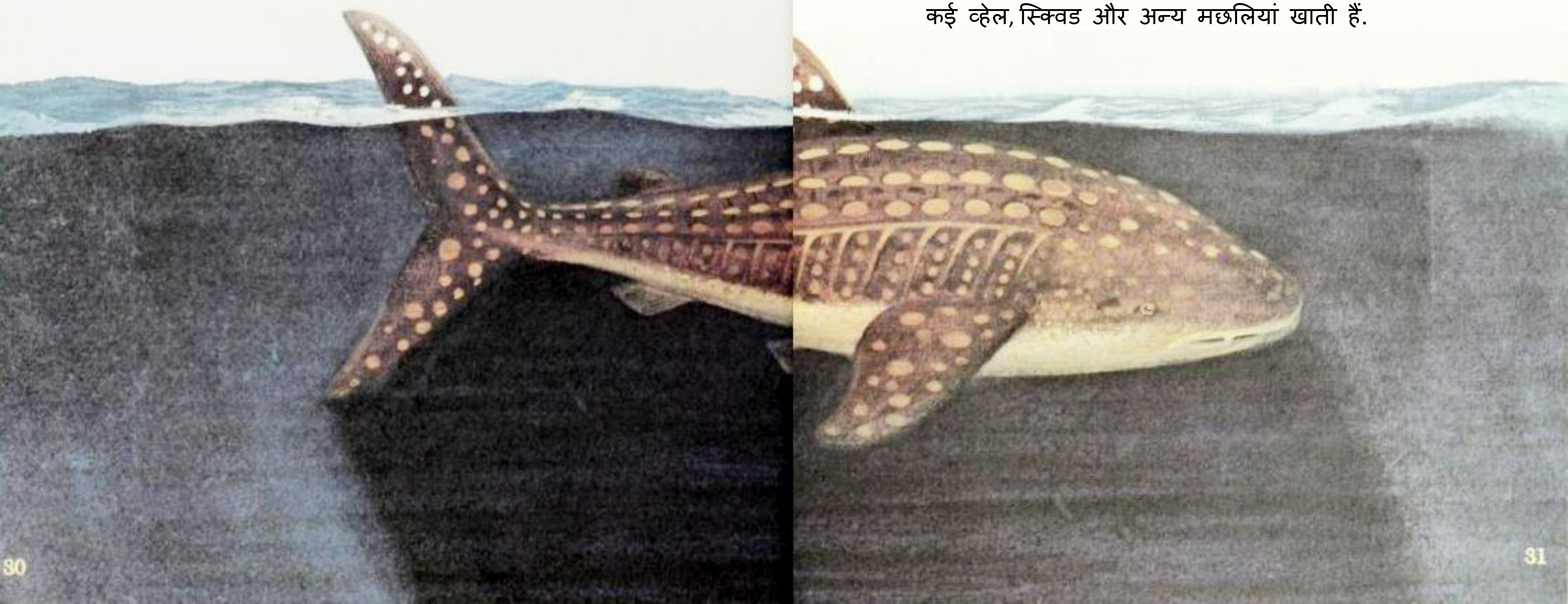

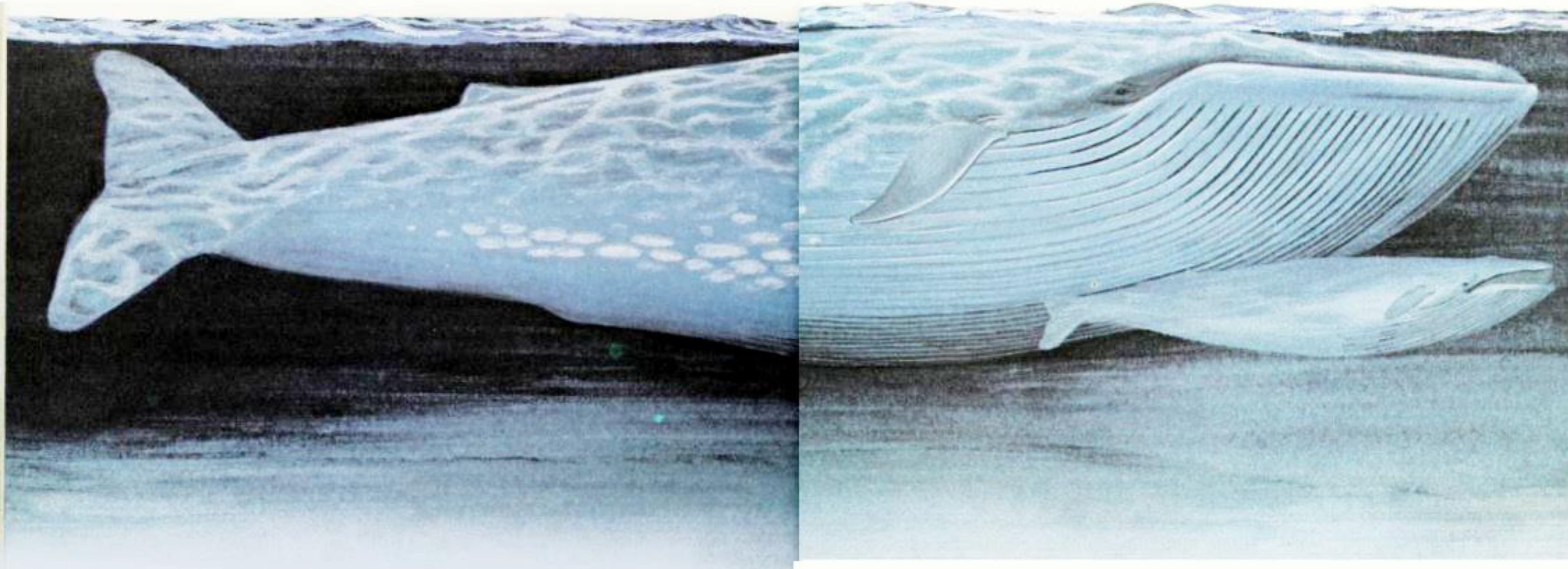

ग्रेट ब्लू व्हेल दुनिया का सबसे बड़ा जीव है.

उसका वजन 40 हाथियों जितना हो सकता है.

वो ट्रेन के डिब्बे से भी लंबी हो सकती है.

वो अपना विशाल मुंह खोलती है - लेकिन वो मछली और स्क्विड नहीं खाती है.

वो केवल प्लैंकटन ही खाती है.

विशेष रूप से क्रिल, जो एक-दो इंच लंबे जीव होते हैं और जो झींगा मछली जैसे दिखते हैं.

वो बहुत ज़्यादा खाती है.

किसी बेबी ब्लू व्हेल का, एक दिन में, 90 पाउंड तक वजन बढ़ सकता है!

गहरे समुद्र में रात के समान अंधेरा होता है.

वहां पर अँधेरे की गहराईयों में बड़ी अजीब दिखने वाली मछलियां रहती हैं.

उनमें से कई छोटे होती हैं लेकिन उनके जबड़े बड़े होते हैं और उनमें लंबे नुकीले दांत होते हैं.

कुछ के शरीर के विभिन्न हिस्सों पर प्रकाश की रोशनी होती है.

एंगलर फिश का मुंह बड़ा और दांत बड़े होते हैं.

उसमें एक छड़ भी होती है जो उसके मुंह के सामने लटकती है.

छड़ के अंत में एक प्रकाश-पुंज होता है.

अक्सर कोई अन्य मछली प्रकाश देखती है और उसके करीब आती है.

धीरे-धीरे प्रकाश-पुंज एंगलर मछली के मुंह में चला जाता है.

उसके साथ वो शिकार वाली मछली को भी निगल जाती है!

चूहे की पूंछ वाली मछली का नाम उसकी लंबी पूंछ के कारण ही पड़ा है.

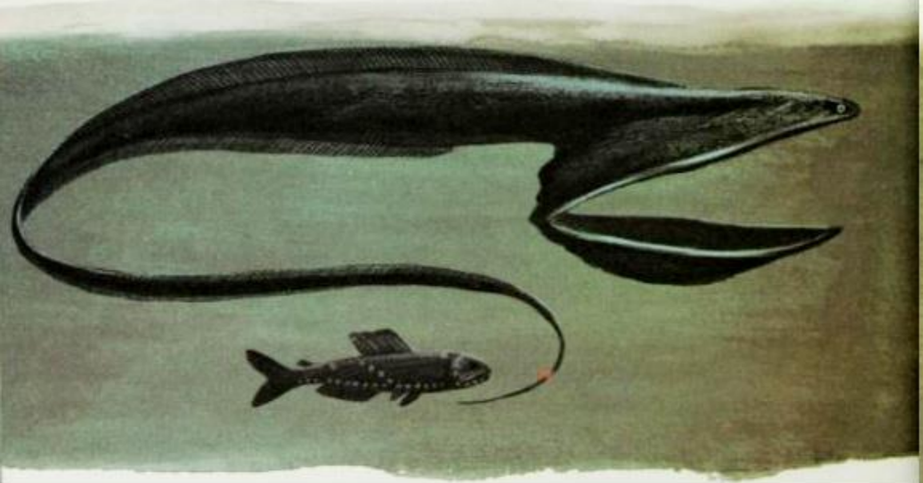

गल्पर मछली का मुंह पेलिकन जैसा बड़ा होता है.
उसकी पूंछ चाबुक की तरह होती है.
उसकी पूंछ के अंत में एक प्रकाश-पुंज होता है.
अन्य मछलियाँ प्रकाश को देखकर गल्पर के बड़े मुँह की ओर बढ़ती हैं.
गल्प! वो मछली का अंत होता है.

टिड्डा (ग्रास-हॉपर) मछली समुद्र के तल पर कूदती है.
इसके कड़े पंख पैरों की तरह दिखते हैं.

काला निगलने वाला जीव केवल कुछ इंच लंबा होता है.
लेकिन उसका पेट कुछ ऐसा होता है कि वो बेहद खिंच सकता है.

इसलिए वो अपने से कहीं बड़ी मछली भी खा सकता है.

समुद्र में कई तरह के जानवर होते हैं.

स्टारफिश, घोंघे, क्लैम, सीपियाँ और केकड़े होते हैं.

स्क्विड और समुद्री एनीमोन होते हैं.

जेलीफ़िश और ऑक्टोपस होते हैं.

अन्य मछलियां होती हैं.

व्हेल होती हैं.

अन्य छोटे छोटे जीव होते हैं जो पानी के ऊपर तैरते हैं.

इनके अलावा और कई जीव होते हैं.

समुद्र में 85,000 से अधिक प्रकार के जीव रहते हैं!